मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKC–104

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत (बी. ए. एस. के. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.एस.के.सी.-104 : गीता में आत्म-प्रबंधन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में होना चाहिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही हो।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 5×10=50

(क) सुखेदु:खे समे कृत्वा लाभालाभौ जयाजयौ।
ततो युद्धाय युज्यस्व नैवं पापम् अवाप्स्यसि॥

(ख) वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि।
तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्यन्यानि संयाति नवानि देही॥

(ग) यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवतरो जनः।

स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते॥

(घ) यततो ह्यपि कौन्तेय पुरुषस्य विपश्चितः।

इन्द्रियाणि प्रमाथीनि हरन्ति प्रसभं मनः॥

(ङ) यथैधांसि समिद्धोऽग्निर्भस्मसात्कुरुतेऽर्जुन।

ज्ञानाग्निः सर्वकर्माणि भस्मसात्कुरुते तथा॥

(च) योगस्थः कुरु कर्माणि सङ्गं त्यक्त्वा धनंजय।

सिद्ध्यसिद्धयोः समोभूत्वा समत्वं योग उच्यते॥

(छ) नियतं कुरु कर्म त्वं कर्म ज्यायो ह्यकर्मणः।

शरीरयात्रापि च ते न प्रसिद्ध्येद कर्मणः॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए : $3\times10=30$

(क) गीता के अनुसार आत्मा के स्वरूप को समझाइए।

(ख) गीता के सामाजिक महत्व का वर्णन कीजिए।

(ग) यज्ञ, तप कितने प्रकार का है ? विस्तार से समझाइए।

(घ) निष्काम कर्म के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

(ङ) योगी के गुणों एवं स्वरूप का निरूपण कीजिए।

(च) नैतिक गुणों के विकास से क्या तात्पर्य है ? विस्तार से समझाइए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$4 \times 5 = 20$

(क) कर्मयोग

(ख) पुरुषार्थ

(ग) इन्द्रियनिग्रह

(घ) वसुधैवकुटुम्बकम्

(ङ) स्थितप्रज्ञ

(च) आहार नियंत्रण

× × × × ×